Title: Demand to stop closing of the BHM Jute mill and restart the Katihar Jute mill in Bihar and conduct enquiry into the financial irregularities done by the management.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : सभापति महोदय, शेा बिहार में कोशी और पूर्णिया कमिश्नरी जूट उत्पादन का सबसे बड़ा इलाका है। आज से नहीं, देवेगौड़ा जी की सरकार ने भी वहां कई जूट मिल लगाने का निर्णय लिया था। एशिया की सबसे बड़ी जूट मिल कटिहार में स्थित है। वह भी बंद है। उसमें एक इकाई दियाराचंद चालू है। आज तक उस चालू जूट मिल में 1991 से लेकर 2001 के बीच वहां के सी.एम.डी. ने कितने ही प्रबंधकों को बदला है।

आज तक जितने भी घपले हुए हैं, उनकी जांच होनी चाहिए। 662 मशीनों में से मात्र 105 मशीनें वहां चालू हालत में हैं और बाकी जितनी मशीनें हैं, सभी बंद हो गई हैं। 105 मशीनें भी नियमित रूप से नहीं चलतीं। कोलकाता में जो सी.एम.डी. हैं, वे वहां बैठकर कटिहार इकाई आरबीएचएम मिल के सारे पैसे रख लेते हैं या फिर गोलमाल हो जाता है। आज तक इसकी जांच पूरी नहीं हो सकी है। सारी प्रक्रिया भारत सरकार के तहत यहां निर्धारित है और यहां से पैसे जाते भी हैं लेकिन कोलकाता स्थित जो सीएमडी का इलाका है, वे उस पैसे को रोक लेते हैं। स्थिति इतनी बुरी है कि वहां 78 मजदूरों की रिटायरमेंट भी हो गई, वे वहां मर गए लेकिन उनकी भवियनिधि भी नहीं दी गई। पैसे के कारण उन्होंने जान दे दी, उनका परिवार बिलख रहा है। नियम यह है कि रिटायरमेंट से पहले वहां भर्ती की जाएगी लेकिन 1991 के बाद आज तक भर्ती की कोई प्रक्रिया नहीं शुरू की गई जिसके चलते वहां 662 मशीनों में से मात्र 105 ही चल रही हैं। स्थिति इतनी बुरी है जिसको शब्दों में कहना असंभव है।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि शेा बिहार में जितनी भी फैक्टरी हैं और डालमिया नगर फैक्टरी, जो देश विदेश की सबसे बड़ी फैक्टरी है, वह 27 साल से बंद है लेकिन न भारत सरकार उस पर कार्रवाई कर रही है और न बिहार सरकार इस ओर कोई ध्यान दे रही है। चाहे भागलपुर की सिल्क मिल हो चाहे गया की सिल्क मिल, स्थिति काफी खराब है और जिस जगह से मैं बिलोंग करता हूं, वहां जूट की और गन्ने की सबसे ज्यादा खेती होती है। वहां एक तरफ बिहार की 28 चीनी मिलों में से 18 चीनी मिलें बिहार सरकार ने बंद कर दी और 10 के प्राइवेटाइजेशन की बात हो रही है, आज तक किसानों को भुगतान सही समय पर नहीं किया जाता। मेरा आपसे आग्रह है कि आरबीएचएम जूट मिल कटिहार की जो स्थिति है, उसकी सभी बंद पड़ी मशीनें चालू होनी चाहिए। 1991 के बाद आज तक सीएमडी ने उस मिल के मामले में घपला किया है, यह जांच का विाय है, इसकी जांच होनी चाहिए। 78 मजदूर रिटायर कर देने के बाद वहां कैसे मर गये, उनको भवियनिधि क्यों नहीं मिली, मजदूरों की बहाली आज तक वहां क्यों नहीं हुई और सीएमडी मैनेजमेंट के बीच कितने बड़े घपले हुए हैं, इन सब मामलों की जांच की जानी चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : अब आप बैठिए। आपने अपना विाय रख दिया है।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : मेरा आग्रह है कि इस मामले की जांच होनी चाहिए क्योंकि सबसे बड़ी कटिहार की जूट मिल बंद है। छोटी आरबीएचएम मिल चालू है, उसकी स्थिति यह है कि वह बंद होने के कगार पर है। सीएमडी और मैनेजमेंट की जब इच्छा होती है, वे मजदूर को धमकी देकर यूनियन के साथ मिलकर उस आरबीएचएम मिल को बंद कर देते हैं। यहां भारत सरकार के मंत्री महोदय बैठे हैं,

â€¦(व्यवधान)आरबीएचएम मिल बंद नहीं हो और कटिहार जूट मिल चालू हो, इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।â€¦(व्यवधान)देवेगौड़ा जी ने और राजीव गांधी जी नेâ€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बैठिए। आपका जब नाम आएगा, आपको बुला लेंगे। आप कृपया बैठिए। राजेश रंजन जी, अब आप समाप्त करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : फारबिसगंज में तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी जी ने एक जूट मिल का शिलान्यास किया था। प्रधानमंत्री जी के शिलान्यास के बावजूद भी आज तक फारबिसगंज में जूट मिल चालू नहीं हुई और चालू करवाने के लिए कोई प्रक्रिया भी शुरू नहीं की गई।

â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please take your seat. आपने अपना विाय पूरी तरह से रख दिया है, अब आप कृपया बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : महोदय, सीएमडी और मैनेजमेंट घपला कर रहे

हैं,â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

*(Interruptions) **

SHRI LAKSHMAN SETH (TAMLUK): Sir, I would like to draw the attention of the Railway Minister to an important issueâ€¦(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Nothing will go on record except what Shri Lakshman Seth is saying.

*(Interruptions) **

सभापति महोदय : आपने अपनी बात कह दी है। आप बैठ जाइए । सरकार को यदि अपनी बात कहनी होगी, तो वह कह देगी । आप कृपया बैठ जाइए ।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : महोदय, मुझे ये कागज सभा पटल पर रखने की इजाजत दी जाए । â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : इसके लिए आपको पहले लिख कर देना चाहिए था । आप मंत्री जी से बात कर लीजिए ।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : महोदय, मंत्री जी सुनने के लिए तैयार नहीं हैं।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपने अपनी बात कह दी है। आपको पूरा मौका दिया गया है। आप सदन की कार्यवाही को इस तरह से डिस्टर्ब न करें । आप बैठ जाइए ।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : महोदय, मंत्री जी सुनने के लिए तैयार नहीं है ।

â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. आप बैठ जाइए ।

*(Interruptions) **

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : महोदय, मुझे ये कागज रखने की इजाजत दी जाए ।

सभापति महोदय : ये कागज नहीं रखे जा सकते हैं । इसकी एक प्रक्रिया है । आप मंत्री जी से बात कर लीजिए ।

* Not Recorded

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : महोदय, मैं किससे बात कर लूं ? â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप संसदीय कार्य मंत्री जी से बात कर लीजिए, वे बतायेंगे ।